Case study

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

एक बार राजेंद्र बाबू चरखा कातते समय सामने प्लेट में रखी किशमिश के दाने खा रहे थे। तभी कहीं से कोई चींटा आकर उस प्लेट पर चढ़ गया। राजेंद्र बाबू ने उसे हटाने के लिए अपनी उँगली से छिटक दिया। चींटा थोड़ी दूर जाकर गिरा और छटपटाकर मर गया। राजेंद्र बाबू बहुत दुखी हुए। राजेंद्र बाबू ने महात्मा गाँधी जी से इस घटना का उल्लेख किया और पूछा कि क्या उनसे यह हिंसा हो गई थी? गाँधी जी ने कुछ देर सोचकर कहा, "तुमने मात्र चींटे को हटाने के लिए उँगली से छिटका था। तुम्हारा उसे मारने का कोई इरादा नहीं था, इसलिए तुमने कोई हिंसा नहीं की। तुम्हें उसकी मृत्यु का दुख है, यही इसका प्रमाण है।" गाँधी जी का मत था कि हिंसा मन से शुरू होती है, वाणी उसे प्रकट करती है और शरीर उसे कार्यरूप देता है। उस चींटे की मृत्यु में न मन साथ था, न वाणी और कर्म भी हिंसा के उद्देश्य से नहीं था। शारीरिक शक्ति ही नहीं, मन और वचन भी हिंसा के साधन हैं।

1. जब राजेंद्र बाबू चरखा कातते समय किशमिश खा रहे थे, तो उनकी प्लेट में क्या चढ़ गया–

(क) कीड़ा ☐ (ख) मक्खी ☐

(ग) चींटा ☐ (घ) मच्छर ☐

2. राजेंद्र बाबू ने गाँधी जी से क्या पूछा?

(क) क्या चींटा अपने-आप मर गया? ☐ (ख) क्या मुझसे यह हिंसा हो गई? ☐

(ग) क्या चींटे की मौत आ गई थी? ☐ (घ) क्या मैंने चींटे को मारकर अच्छा किया? ☐

3. गाँधी जी के अनुसार हिंसा कहाँ से शुरू होती है?

(क) हिंसा धर्म से शुरू होती है ☐ (ख) हिंसा वाणी से शुरू होती है ☐

(ग) हिंसा कर्म से शुरू होती है ☐ (घ) हिंसा मन से शुरू होती है ☐